सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 182 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त, 2024
मूल्य ₹ 3/-

चोट ने तोड़ा रेसलर निशा के मेडल... 7

तेजी से बढ़ों और चीजों को तोड़ों। जब तक कि आप चीजों को तोड़ नहीं रहे, आप उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहे हैं।
-मार्क जुकरबर्ग

पीडीए को और आगे बढ़ाएगी... 3

कन्नौज की बेटी के साथ दोहराई... 2

सीएम और डिप्टी सीएम के घर के बीच पीड़ित महिला ने लगायी आग

पुलिस सुन नहीं रही थी महिला की बात

» जिले-जिले में पुलिस का यही हाल

» कार्यकर्ता पहले ही कह चुके यूपी में नौकरशाही का बुरा हाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ से आज एक गंभीर मामला सामने आया। जहां मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के आवास के बीच एक महिला ने अपनी सुनवाई न होने पर सड़क पर खुद पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़क कर आग लगा ली। महिला को बीच सड़क पर जलता देख वहां हड़कंप मच गया। ये घटना शहर के गौतमपल्ली में सुबह जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट के गेट के पास हुई। महिला के साथ उसका छोटा बच्चा भी था, जिसे किनारे बैठाकर महिला ने खुद को आग के हवाले कर दिया। आननफानन में पुलिसकर्मियों ने आग को बुझाया और महिला को लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे जहां उसकी हालत गंभीर बताते हुए केजीएमयू के प्लास्टिक एंड बर्न डिपार्टमेंट में रेफर कर दिया गया है।

ऐसी जानकारी सामने आई है कि महिला लगातार सरकार के आला अधिकारियों से अपनी मदद की गुहार लगा रही थी। महिला इससे दो दिन पहले उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से भी मिली थी और उसके बाद सीएम योगी के जनता दरबार में भी पहुंची थी। लेकिन कहीं कोई सुनवाई न होने के बाद महिला ने खुद को आग लगाने का कड़ा कदम उठाया। पीड़ित महिला का नाम अंजली जाटव बताया जा रहा है, जो उन्नाव के पुरवा में छत्ताखेड़ा गांव की रहने वाली है। महिला अपनी फरियाद को लेकर कई दिनों से लखनऊ में चक्कर काट रही थी। मामले को लेकर अब विपक्ष प्रदेश सरकार पर हमलावर है।

सीएम के जनता दरबार में पहुंची थी महिला

पीड़ित अंजली जाटव मंगलवार को बच्चे के साथ सीएम दरबार पहुंची थीं। वहां से निकलने के बाद वह जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट के गेट नंबर तीन के पास पहुंची और वहां बैठी रहीं। कुछ देर अपने बच्चे को सड़क किनारे बैठा दिया फिर उन्होंने अपने बैग से ज्वलनशील पदार्थ निकाला खुद छिड़क कर आग लगा ली। आग लगते ही महिला चीखने चिल्लाने लगी। यह देख वहां खड़े पुलिसकर्मियों ने आननफानन महिला पर कंबल फेंक आग बुझाई। इसके बाद उसे सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

भाजपा सरकार से नाउम्मीदगी का एक और उदाहरण : अखिलेश

इस मामले में प्रदेश की योगी सरकार को घेरते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भाजपा सरकार से जनता की नाउम्मीदगी का एक और दिल दहला देने वाला हादसा तब हुआ, जब लखनऊ में मुख्यमंत्री जी के 'जनता दरबार' में पहुंची पीड़ित महिला ने नासुनवाई से हताश होकर, अपने दुधमुंहे बच्चे को किनारे बैठाकर आत्मदाह किया। भाजपा के लिए जनता, सिर्फ मतदाता है। भाजपा के लिए चुनाव खत्म मतलब जनता से सरोकार खत्म। महिला के प्रति सहानुभूति का भाव रखा जाए व उसके जीवन को बचाने के लिए सर्वश्रेष्ठ इलाज कराया जाए। महिला के परिजन व जनता निगाह रखे, कहीं ऐसा न हो कि भाजपा सरकार की नाकामी के खिलाफ प्रदर्शन के रूप में आत्मदाह करने पर उस महिला के खिलाफ, भाजपा सरकार कोई गुपचुप कार्रवाई कर दे।

किसी को मुख्यमंत्री से अब न्याय की उम्मीद नहीं रही : कांग्रेस

मामले पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस की ओर से भी सरकार पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया पर लिखा गया कि उन्नाव की अंजलि जाटव अपने बच्चे के साथ मुख्यमंत्री के जनता दरबार में उनसे मिलने पहुंची। वहां से निकलते ही उन्होंने खुद को आग लगा लिया। मगर क्यों? मुख्यमंत्री के जनता दरबार में अपनी समस्या लेकर पहुंची महिला ने वहां से निकलकर खुश होने की बजाय आत्मदाह का प्रयास क्यों किया? क्या किसी को अब मुख्यमंत्री से भी न्याय की कोई उम्मीद नहीं? यह एक आम घटना नहीं बल्कि मुख्यमंत्री की नाकामी का जीता-जागता सबूत है। फिलहाल पीड़िता की हालत नाजुक बताई जा रही है। हम पीड़िता के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करते हैं।

पारिवारिक विवाद का मामला आया सामने : डीसीपी

इस मामले में लखनऊ सेंट्रल डीसीपी रवीना त्यागी ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्नाव की रहने वाली महिला ने आज लखनऊ के गौतमपल्ली इलाके में आत्महत्या का प्रयास किया है। महिला के साथ एक बच्चा भी था, जिसे उसने पहले एक तरफ बिठा दिया और फिर खुद को आग के हवाले कर दिया। महिला का इलाज जारी है। डीसीपी त्यागी ने बताया कि इस मामले में पारिवारिक विवाद का होना सामने आ रहा है। पुलिस का आगे की कार्रवाई कर रही है।

दहेज प्रताड़ना के मामले में जेल में है पति

इंस्पेक्टर गौतमपल्ली वेद प्रकाश राय के मुताबिक महिला का इलाज चल रहा है। महिला ने कुछ समय पहले दहेज प्रताड़ना का मुकदमा अपने पति व ससुरालीजनों पर दर्ज कराया था। मामले में पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भी भेजा था। मामले की जांच की जा रही है।

बांग्लादेश मामले में सरकार के साथ खड़ा हुआ विपक्ष

» सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने केंद्र के स्टैंड पर जताई सहमति

» सरकार ने बताया बांग्लादेश में अभी भी हैं 12 से 13 हजार भारतीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बांग्लादेश में राजनीतिक और वहां के हालातों को लेकर केंद्र सरकार की ओर से आज सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। संसद भवन परिसर में हुई इस बैठक में सरकार की तरफ से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और जेपी नड्डा मौजूद रहे। वहीं विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत डीएमके, सपा, टीएमसी और बीजेडी सहित कई राजनीतिल दलों के नेता शामिल हुए।

विपक्ष ने इस मामले पर सरकार के समर्थन की बात कही और सरकार के स्टैंड के साथ ही खड़े होने का दावा किया है।

बैठक में केंद्र सरकार ने बांग्लादेश और शेख हसीना पर भारत के मौजूदा स्टैंड के बारे में जानकारी दी। केंद्र सरकार के स्टैंड पर विपक्ष ने भी सहमति जताई। बैठक में मौजूद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से सवाल भी पूछे।

राहुल ने पूछे सवाल

राहुल गांधी ने सर्वदलीय बैठक में सरकार से तात्कालिक और दीर्घकालिक रणनीति के बारे में पूछा। राहुल गांधी ने ये भी जानना चाहा कि क्या बांग्लादेश में जो हुआ, उसके पीछे विदेशी हाथ है? विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बैठक में सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने राहुल गांधी के सवाल के जवाब में कहा कि बांग्लादेश में बदलते घटनाक्रम पर सरकार नजर बनाए हुए है। यह भी बताया कि पाकिस्तान के एक राजनयिक ने सोशल मीडिया पर आंदोलन की तस्वीर वाली डीपी लगाई थी जिसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

बसपा ने किया केंद्र का समर्थन

इस मामले पर बसपा प्रमुख मायावती ने केंद्र का समर्थन करते हुए सोशल मीडिया पर कहा कि पड़ोसी देश बांग्लादेश के तेजी से बदलते हुए राजनीतिक हालात के मद्देनजर आज की सर्वदलीय बैठक अति महत्वपूर्ण रही। जिसमें सभी दलों द्वारा सरकार के फैसलों के साथ रहने का निर्णय उचित व जरूरी है। बीएसपी भी इस मामले में केन्द्र सरकार के फैसलों के साथ है।

सरकार ने दी जानकारी

भारत सरकार ने सर्वदलीय बैठक में बताया कि हम बांग्लादेश के हालात पर पूरी नजर बनाए हुए हैं। सरकार ने बताया कि अभी बांग्लादेश में 12000 से 13000 भारतीय हैं। हालांकि, देश में स्थिति इतनी भयावह नहीं है कि अपने नागरिकों को वहां से निकालना पड़े। सरकार ने बताया कि कुल 20,000 लोग फंसे हुए थे। इनमें से 8000 छात्र वापस भारत आ गए हैं।

कन्नौज की बेटी के साथ दोहराई गई नाइंसाफी की कहानी : अखिलेश

सपा प्रमुख का आरोप- पिता के आने से पहले पुलिस ने जबरन कराया अंतिम संस्कार

» अखिलेश ने की कन्नौज रेप पीड़िता के लिए न्याय की मांग

» बोले- भाजपा वाले परिवार वालों का न दर्द समझते हैं न महत्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने आज सुबह सोशल मीडिया के जरिए कन्नौज रेप केस का मामला उठाया है। उन्होंने इस मामले में यूपी पुलिस पर गंभीर आरोप भी लगाए हैं। अखिलेश का दावा है कि पुलिस ने रेप पीड़िता द्वारा खुदकुशी किए जाने के बाद उसके पिता के पहुंचने से पहले ही उसका जबरन अंतिम संस्कार करा दिया है।

सोशल मीडिया पर सपा प्रमुख ने लिखा कि हाथरस की बेटी' के बाद 'कन्नौज की बेटी' के साथ भी नाइंसाफी की कहानी दोहरायी गयी है। पिता को दुष्कर्म की शिकार बेटी के अंतिम दर्शन तक का अवसर न देना और उनके पहुंचने से पहले ही जबरदस्ती अंतिम संस्कार कर देना, बेहद निंदनीय कृत्य है।

प्रशासन बताए किसे बचाने की हो रही कोशिश

सपा प्रमुख के कहा कि शासन-प्रशासन बताए कि ऐसा करके उसने किस बात पर पर्दा डाला है और किसको बचाया जा रहा है। भाजपा वाले न तो परिवारवालों का महत्व समझते हैं, न ही उनका दर्द। भाजपा पर से जनता का विश्वास उठ गया है। इस मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों को किसी भी हाल में न छोड़ा जाए।

पीड़िता के परिजनों से मिला सपा का प्रतिनिधिमंडल

इस मामले में सपा का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़िता के घर उसके परिजनों से मुलाकात करने पहुंचा था। इस दौरान परिजनों ने बताया कि छात्रा के पिता पूणे में नौकरी करते हैं। उसकी मौत के बाद पुलिस ने उनके आने का इंतजार भी नहीं किया और उनके आने से पहले पीड़िता की मौत के बाद उसका अंतिम संस्कार करा दिया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने कन्नौज एसपी से मुलाकात की और उसे न्याय दिलाने की मांग की है। परिजनों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 24 जुलाई को छात्रा स्कूल से वापस नहीं लौटी थी और फिर अगले दिन उसका शव परिजनों को मिला था। उसकी रेप के बाद हत्या कर दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने दबाव बनाकर उसका अंतिम संस्कार करा दिया, जबकि उसके पिता रास्ते में ही थे।

ममता ने की बंगाल के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बांग्लादेश में जारी राजनीतिक संकट के बीच पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि मैं बंगाल के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करती हूं। किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि यह दो देशों के बीच का मामला है, केंद्र सरकार जो भी फैसला लेगी हम उसका समर्थन करेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार इस मुद्दे पर निर्णय लेगी कि इस मुद्दे पर कैसे संपर्क किया जाए और सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से अपील की जाती है कि वे भड़काऊ टिप्पणियां करने से बचें जो बंगाल या देश में शांति को बाधित कर सकती हैं। ममता ने कहा कि कुछ भाजपा नेता पहले ही इस पर टिप्पणी कर चुके हैं। ऐसा नहीं करना चाहिए। बीजेपी नेता लॉकेट चटर्जी ने कहा कि बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों से हो रहे विरोध प्रदर्शनों में कई लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल बांग्लादेश के साथ सांस्कृतिक और भाषाई संबंध साझा करता है। हम यथाशीघ्र सामान्य स्थिति लौटने की आशा करते हैं। जरूरत पड़ने पर हमारे पीएम इस मामले में जरूर दखल देंगे।

फिर उद्धव ठाकरे के हाथों में आएगी राज्य की कमान : राउत

» आज से तीन दिन के दिल्ली दौरे पर रहेंगे शिवसेना यूबीटी प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे के दिल्ली दौरे पर पार्टी सांसद संजय राउत का कहना है कि यह एक राजनीतिक दौरा है। वह राहुल गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे आदि सहित इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं से मिलेंगे। हम महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सीट बंटवारे की प्रक्रिया पूरी करना चाहते हैं। यह उसी तरह किया जाएगा जैसा कि लोकसभा चुनाव में किया गया था।

बता दें कि उद्धव ठाकरे मंगलवार से दिल्ली में तीन दिन रहेंगे। इन तीन दिनों में उद्धव ठाकरे का शेड्यूल क्या रहेगा? ये संजय राउत ने बताया था। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे और आदित्य ठाकरे भी होंगे। इस दौरे में कई मुलाकातें होंगी।

उद्धव ठाकरे के साथ लोगों की जनभावना

संजय राउत ने बताया था कि उद्धव ठाकरे, शरद पवार से भी मुलाकात करेंगे। वह महाराष्ट्र के कई सांसदों से मुलाकात करेंगे। ये उद्धव ठाकरे की संवाद यात्रा है। लोकसभा चुनाव के बाद यह उनका पहला दिल्ली दौरा है। इससे पहले संजय राउत ने कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव के बाद फिर से राज्य की कमान उद्धव ठाकरे के हाथों में आएगी, यह लोगों की जनभावना है। शिवसेना को खत्म करने की बहुत कोशिश की गई,

'रेल दुर्घटनाओं पर ध्यान दे केंद्र'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ट्रेन हादसों को लेकर एक बार फिर केंद्र सरकार पर टिप्पणी की है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में दिल्ली-सहारनपुर पैसेंजर ट्रेन की दो बोगियों के पटरी से उतरने और दूसरी लाइन पर जाने को लेकर मोदी सरकार को घेरा है।

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि केंद्र सरकार लगातार हो रही रेल दुर्घटनाओं पर ध्यान दे। रेल आम भारतीयों के सफर का साधन है, इसकी सुरक्षा को लेकर गंभीरता से कार्य करने की जरूरत है। सीएम हेमंत ने आगे कहा कि रेल मंत्रालय भले बड़े दावे करता है, लेकिन उसकी हकीकत आज सबके सामने है। इसके पहले सोरेन ने झारखंड के चक्रधरपुर में बीते हफ्ते हुए ट्रेन हादसे को लेकर भी केंद्र सरकार की आलोचना की थी।

गद्दार अजित पवार पर नहीं कर सकते भरोसा : जितेंद्र आव्हाड

» शरद पवार खेमे के नेता बोले- चाचा की मौत का इंतजार कर रहे थे अजित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में इसी साल के अंत में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इससे पहले राज्य की सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी बीच एनसीपी (शरद पवार खेमे) के नेता जितेंद्र आव्हाड ने अजित पवार पर हमला बोला है। उन्होंने अजित पवार को गद्दार बताते हुए कहा कि ऐसे लोगों से आप क्या प्यार करेंगे। उनपर कैसे भरोसा करेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी से हाथ मिलाने वालों पर भला कैसे भरोसा किया जा सकता है?

एनसीपी (एसपी) के मुख्य सचेतक जितेंद्र आव्हाड ने अजित पवार को गद्दार बताते हुए कहा कि वो चाचा (शरद पवार) की मौत का इंतजार कर रहे थे। क्या हम किसी बुजुर्ग की मौत का इंतजार करते हैं? जिस बच्चे को चलना सिखाया और उस बच्चे ने चाचा को ही बाहर का रास्ता दिखा दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे गद्दारों को जनता जरूर सबक सिखाएगी और इस कृत्य का हिसाब लेगी। इससे पहले भी जितेंद्र कई बार अजित पवार पर हमला बोल चुके हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने कहा था कि अजित पवार पार्टी पर कब्जा करना चाहते थे, भाजपा के साथ गठबंधन करना चाहते थे और उसका विलय करना चाहते थे। इसलिए शरद पवार के साथ उन्होंने धोखा किया।

आव्हाड ने कहा था कि अजित को पवार परिवार में जन्म लेने के लिए आभारी होना चाहिए जहां उनके साथ अलग व्यवहार किया गया और अपने चाचा के खिलाफ विद्रोह करने के बावजूद उन्हें महत्वपूर्ण पद दिए गए।

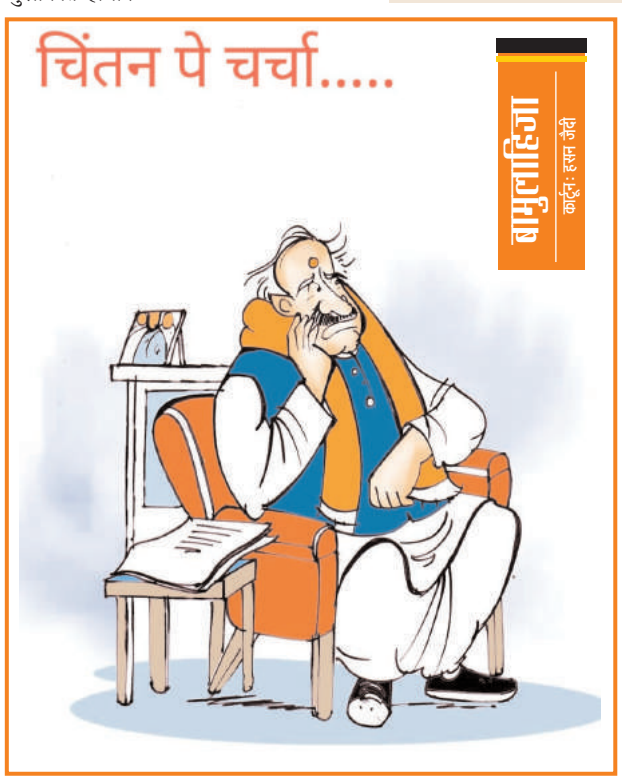

हिमाचल को केंद्र से नहीं मिली वित्तीय मदद : विक्रमादित्य

» बोले- बीजेपी सांसद भी प्रदेश की मदद के लिए आएं आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में इस साल में मानसून ने भारी तबाही मचाई है। भारी बारिश की वजह राज्य की संपत्ति को भारी नुकसान पहुंच रहा है। इस बीच हिमाचल प्रदेश सरकार में लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि भारी बारिश और बादल फटने के कारण प्रदेश में जान-माल का नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। भारी बारिश और बादल फटने की घटना की वजह से लोक निर्माण विभाग को प्रारंभिक आंकलन के मुताबिक करीब 300 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार से हिमाचल प्रदेश को अभी तक किसी भी प्रकार की वित्तीय मदद नहीं मिली है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश से भाजपा के चारों सांसदों से आग्रह किया कि आपदा की इस घड़ी में वे केंद्र के समक्ष हिमाचल के लिए आर्थिक मदद का मुद्दा उठाएं, ताकि जो प्रभावितों को पुनर्स्थापित किया जा सके। कांग्रेस नेता ने कहा कि टीसीपी और साडा मापदंडों के मुताबिक सरकार की ओर से नदी-नालों से 100 मीटर की दूरी तक निर्माण कार्य पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया गया था। इस फैसले को कड़ाई से लागू करने की जरूरत है।

पीडीए को और आगे बढ़ाएगी सपा

अब अगड़ों को अपने साथ लाने की कवायद

» माता प्रसाद, जनेश्वर मिश्र व हरिशंकर तिवारी के बहाने ब्राम्हणों पर नजर

» उपचुनाव के नतीजे तय करेंगे आगे की राह

» सपा बूथ कमेटियां तक लगातार सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वैसे तो पूरे देश में किसी न किसी मुद्दे पर राजनीति गरमाई रहती है पर देश के सबसे बड़े राज्य यूपी की सियासत कुछ अलग ही चलती रहती है। केंद्र की सत्ता अर्थात दिल्ली की कुर्सी का ताज लखनऊ के रास्ते से ही जाता है। चूकि सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटें है। जो भी पार्टी सीटों में ज्यादा से ज्यादा कब्जा करता है वो देश की राजनीति में अपनी पैठ बढ़ाता है।

अभी हाल ही में लोकसभा चुनाव में यूपी में 37 सीटें जीतने से उत्साहित सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 2027 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। उन्होंने इसी को लेकर यूपी के सीएम व बीजेपी को घेरना शुरू कर दिया है। चूकि राज्य में उपचुनाव होने से उसके मद्देनजर भी सपा ने कमर कसना शुरू कर दिया है। वह लोकसभा चुनाव में अपने पीडीए के फार्मूले के बलबूते कांग्रेस के साथ 43 सीटें लेने में कामयाब रही वह अब बीजेपी के सबसे बड़े वोट बैंक पर नजर गड़ाए हुए है। इसी क तहत सपा प्रमुख ने पूर्वांचल के बड़े ब्राहम्ण चेहरे माता प्रसाद पांडेय को विधान सभा अध्यक्ष चुन कर जहां ब्राहम्णों को अपनी ओर खींचना चाहती है। खैर इसका असर तो उनचुनावों के फैसले मेंदिख जाएगा।

समाजवादी पार्टी ने विधानसभा में हारी हुई सीटों पर अभी से काम प्रारंभ कर दिया है। इनमें से हर विधानसभा क्षेत्र में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि बूथ कमेटियां लगातार सक्रिय रहें। न्यूनतम पांच कार्यकर्ता ऐसे रहें, जो पार्टी की नीतियों को हर घर तक पहुंचाएं। सपा सूत्रों के मुताबिक, इस अभियान की पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव खुद समीक्षा कर रहे हैं। 2022 का विधानसभा चुनाव सपा, रालोद और सुभासपा ने मिलकर लड़ा था। सपा को 111, रालोद को 8 और सुभासपा को 6 सीटों पर सफलता मिली थी। इस तरह से सपा गठबंधन को 125 सीटें मिलीं। सपा ने खुद 345 सीटों पर अपने सिंबल पर प्रत्याशी उतारे थे। अब रालोद और सुभासपा सपा से अलग हो चुके हैं। इसलिए सपा ने अपनी जीती 111 सीटों के साथ ही अन्य 291 सीटों पर फोकस बढ़ाने का फैसला किया है।

पार्टी की जिला व शहर इकाइयों को कहा गया है कि इन 291 सीटों पर बूथ कमेटियों का न सिर्फ गठन हो, बल्कि उनकी सक्रियता भी बनी रहे। सूत्रों के मुताबिक, इसके लिए बूथ कार्यकर्ताओं के लिए समय-समय पर जिलास्तर पर होने वाली बैठकों में बुलाकर प्रेरित करने की योजना भी बनाई गई है। पिछले विधानसभा चुनाव में सपा को 32.1 प्रतिशत वोट मिले थे। आगामी विधानसभा चुनाव में सपा ने अपने पदाधिकारियों को 45 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल करने का लक्ष्य दिया है, ताकि सरकार बनाने में कोई दिक्कत नहीं आए।

सपा ने ब्राह्मणों पर किया फोकस

सपा ने पीडीए के साथ अब ब्राह्मणों में पैठ बढ़ाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इसी कड़ी में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 5 अगस्त को गोरखपुर के चिल्लूपार में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय हरिशंकर तिवारी की प्रतिमा के स्थापना समारोह में शामिल होंगे। प्रदेश में कुछ समय बाद होने वाले विधानसभा उपचुनाव में सपा ने इस रणनीति को लिटमस टेस्ट के तौर पर अपनाने का निर्णय लिया है। अगर यहां सफलता मिली तो 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में इस प्रयोग को बड़े पैमाने पर अमल में लाया जाएगा। यही वजह है कि अखिलेश यादव ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पीडीए (पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यक) नेता के बजाय माता प्रसाद पांडेय को बनाया। आने वाले समय में माता प्रसाद के कार्यक्रम सभी जिलों में ब्राह्मण समाज के बीच लगाने की भी योजना है। अखिलेश ने एक्स के माध्यम से कहा कि 5 अगस्त को हरिशंकर तिवारी की जयंती पर चिल्लूपार गोरखपुर में उनकी प्रतिमा के स्थापना समारोह में शामिल होने का आमंत्रण मिला है। इसके लिए धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व नियोजित कार्यक्रमों में व्यस्तता के बावजूद उनका इस कार्यक्रम में शामिल होने का पूरा प्रयास रहेगा। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं।

छोटे लोहिया की जयंती मनाया

पार्टी ने पांच अगस्त को ही सभी जिलों में छोटे लोहिया के नाम से मशहूर पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र की जयंती मनाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में पार्टी ने सभी जिला व शहर इकाइयों को निर्देश दिए हैं। इसमें कहा गया है कि जिला सपा कार्यालयों या किसी अन्य सभागारों में जयंती कार्यक्रम का आयोजन कर जनेश्वर मिश्र के व्यक्तित्व एवं विचारों पर चर्चा की जाए।

अयोध्या मामले पर पूरी सियासत

भदरसा दुष्कर्म मामले में लगातार सत्ता पक्ष के निशाने पर चल रही समाजवादी पार्टी ने अपना पक्ष रखा है। सपा कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में पूर्व मंत्री समेत सभी वरिष्ठ नेताओं ने दुष्कर्म के दोषियों को फांसी देने की मांग की। साथ ही मामले की निष्पक्ष जांच करने व निर्दोषों पर कार्रवाई न करने समेत अन्य मांगें भी उठाई। साथ ही बीएचयू में पिछले हुए दुष्कर्म के आरोपियों की सीएम और दूसरे भाजपा नेताओं के साथ फोटो दिखाकर सवाल खड़े किए। पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय ने कहा कि घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। जघन्य अपराध करने वालों को फांसी की सजा हो, लेकिन घटना की निष्पक्ष जांच हो। सजा व कार्रवाई के नाम पर बिना जांच के निर्दोषों को न फंसाया जाए। इस सरकार में यादव और मुसलमान ही अपराधी की परिभाषा बन गए हैं।कहा कि अयोध्या के खाकी अखाड़ा में सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले व उसमें संलिप्त लोगों के घर पर अब तक बुलडोजर नहीं चला। बच्ची का परिवार अब तक न्याय से वंचित है। सनबीम स्कूल में छात्रा ने आत्महत्या किया तो प्रबंधक के यादव होने के कारण उन्हें जेल भेज दिया गया। निष्पक्ष जांच हुई तो वह बरी हुए। गोमतीनगर में 20-25 लोग आरोपी थे, लेकिन मुख्यमंत्री को सिर्फ यादव, मुसलमान का नाम ही याद रहा। अपराधी की कोई जाति नहीं होती, इसलिए उसे जाति से नहीं जोड़ना चाहिए। बीएचयू रेपकांड के आरोपी की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव मौर्या, अनुराग ठाकुर व स्वतंत्रदेव सिंह के साथ तस्वीर वायरल हुई है, लेकिन उन पर क्या कार्रवाई हुई। सीडीआर, लोकेशन, सीसीटीवी आदि खंगाले जाएं। यदि सपा नेता मोईद खान दोषी मिलें तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो लेकिन बगैर दोषी सिद्ध हुए इस तर की कार्रवाई न की जाए। पीड़ित परिवार को एक करोड़ मुआवजा व सुरक्षा दिलाई जाए। डीएनए टेस्ट व नार्को टेस्ट कराकर निष्पक्ष जांच की जाए और रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

उपचुनाव के लिए बनाई रणनीति

समाजवादी बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक शनिवार को लखनऊ में हुई, जिसमें आगामी विधानसभा के उपचुनाव में जीत की रणनीति पर चर्चा की गई। वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. संतोष जाटव ने कहा कि आगामी विधानसभा उपचुनाव में बाबा साहब वाहिनी के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पोलिंग स्तर पर तैयारी करने के लिए अभी से जुट जाना है। गांव-गांव जाकर लोगों से जनसंपर्क करना है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा है कि पीडीए की मजबूती के लिए हमें प्रयासरत रहना होगा। बैठक में चौधरी सुरेश कुमार, राजेंद्र खरे, मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

संसद में सपा को घेरने की भाजपा की तैयारी

अयोध्या प्रकरण को लेकर वार-पलटवार की गूंज अब संसद में सुनाई देगी। इसे लेकर भाजपा ने रणनीति तैयार कर ली है। वहीं, भाजपा अयोध्या गई तीन सदस्यीय टीम ने अपनी रिपोर्ट तैयार कर ली है, जिसे शीर्ष नेतृत्व को भेज दिया है। वहीं, पार्टी सूत्रों का मानना है इस प्रकरण को भाजपा संसद में जोर-शोर से उठाने की तैयार कर ली गई है। दरअसल, अयोध्या में ओबीसी समाज की एक बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में जिस मोईद खान को मुख्य आरोपी बताया जा रहा है, उसे भाजपा जनता पार्टी सपा का सक्रिय सदस्य बता रही है। भाजपा इस घटना को लेकर जिस तरह से आक्रामक है, उससे साफ है इस मामले में भाजपा सपा को छोड़ने वाली नहीं है। भाजपा के रणनीतिकार मानते हैं कि इस घटना के बहाने सपा और उसके सहयोगी दलों पर हमला करने का इससे बेहतर अवसर नहीं मिल सकता है। इसलिए भाजपा सरकार और संगठन इस घटना की पीड़ित के साथ पूरी तरह से खड़ा दिखना चाहते हैं। वहीं, घटना में पार्टी के सक्रिय पदाधिकारी मोईद खान का नाम आने से सपा बैकफुट पर दिखाई दे रही है। उधर, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आरोपी का डीएनए टेस्ट कराने की मांग करके मामले को दूसरी तरफ मोड़ने की पूरी कोशिश करते हुए दिख रहे हैं। लेकिन, भाजपा उनके हर चाल का जवाब देने को तैयार है। इसी कड़ी में भाजपा अब इस प्रकरण को यूपी से उठाकर राष्ट्रीय स्तर पर सपा को घेरने की तैयारी में है। इसलिए पार्टी के सांसद इसे संसद में उठाकर सपा और कांग्रेस को घेरने का काम करेंगे।

सांसद अवधेश प्रसाद को घेरने का भी बड़ा मौका

लोकसभा चुनाव में फैजाबाद सीट हारने के बाद से भाजपा सपा को घेरने का मौका ढूंढ रही थी। संयोग से घटना के आरोपी मोईद खान का संबंध सपा से होने और सपा सांसद के करीबी होने की बात सामने आई तो भाजपा ने इसे सपा को घेरने का बड़ा अवसर मानते मुखर हो गई है। वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करके यह भी संदेश दे दिया गया है कि आरोपी पर चाहे कितने भी प्रभावशाली का हाथ क्यों न हो, उसे छोड़ा नहीं जाएगा। पिछड़े समाज की एक गरीब और नाबालिग बच्ची के साथ हुए शर्मनाक घटना को लेकर सपा ने जिस तरह से बयानबाजी की है, उससे सपा के पीडीए प्रेम पर भी सवाल खड़ा हो रहा है। फैजाबाद सीट हारने के बाद से ही सपा अध्यक्ष जिस तरह से दलित सांसद अवधेश प्रसाद को संसद में अपने साथ अगली सीट पर बिठाकर हिंदुत्व की हार का संदेश देते हुए भाजपा पर ताना मार रहे हैं, अब ठीक उसी तर्ज पर भाजपा भी आरोपी के अवधेश प्रसाद से संबंधों को आधार बनाकर संसद में घेरने के मौका का फायदा उठाएगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

हसीना की मनमानी से सुलगा बांग्लादेश!

भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में कुछ महीनों से चल रहे हिंसक प्रदर्शन का सोमवार को इतना बड़ा असर हुआ की वहां की प्रधानमंत्री शेख हसीना का सत्ता छोड़कर देश से जाना पड़ा। वहां की सत्ता पर सेना ने नियंत्रण कर लिया है। दरअसल ऐसा माना जा रहा है शेख हसीना की मनमानी से वहां की जनता परेशान थी। वहीं वहां पर हसीना पिछले कई सालों से पीएम बनती जा रहीं है साथ ही साथ विपक्ष को कमजोर करती जा रही है। वहां की लोकतांत्रिक प्रक्रिया खत्म हो रही थी। इसकी वजह से भी लोगों में आक्रोश था उसी का खामियाजा देश को भुगतना पड़ गया। वहीं बांग्लादेश में स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों के लिए सरकारी नौकरियों में 30 फीसदी आरक्षण दिया गया था। इसी आरक्षण के विरोध में इस वक्त बांग्लादेश में प्रदर्शन हो रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के 21 जुलाई के फैसले के बाद माना जा रहा था कि विरोध प्रदर्शन खत्म हो जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आंदोलन और भी उग्र हो गया। लगातार हो रही मौतों के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है।

देश के हालात पर सेना प्रमुख ने बयान जारी किया है। सेना प्रमुख ने प्रदर्शनकारियों से संयम बरतने की अपील की है। हिंसा को रोकने के लिए देश में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई, देश में कर्फ्यू लगा दिया गया। सरकार ने तीन दिन की सार्वजनिक छुट्टी घोषित कर दी। इन सब के बाद हालात काबू में नहीं आ सके। उधर संयुक्त राष्ट्र संगठन ने भी हिंसा पर चिंता जताते हुए इसे तत्काल रोकने की अपील की है। हिंसा कहानी 1971 से शुरू होती है। ये वो साल था जब मुक्ति संग्राम के बाद बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी मिली। एक साल बाद 1972 में बांग्लादेश की सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों के लिए सरकारी नौकरियों में 30 फीसदी आरक्षण दे दिया। इसी आरक्षण के विरोध में इस वक्त बांग्लादेश में प्रदर्शन हो रहे हैं। 1972 से जारी इस आरक्षण व्यवस्था को 2018 में सरकार ने समाप्त कर दिया था। जून में उच्च न्यायालय ने सरकारी नौकरियों के लिए आरक्षण प्रणाली को फिर से बहाल कर दिया। मामले ने तूल और तब पकड़ लिया जब प्रधानमंत्री हसीना ने अदालती कार्यवाही का हवाला देते हुए प्रदर्शनकारियों की मांगों को पूरा करने से इनकार कर दिया। सरकार के इस कदम के चलते छात्रों ने अपना विरोध तेज कर दिया। प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनकारियों को रजाकार' की संज्ञा दी। विरोध के शुरुआत प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आरक्षण प्रणाली का बचाव करते हुए कहा था कि युद्ध में अपने योगदान के लिए स्वतंत्रता सेनानियों को सर्वोच्च सम्मान मिलना चाहिए, चाहे उनका राजनीतिक जुड़ाव कुछ भी हो। उनकी सरकार ने मुख्य विपक्षी दलों, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी पार्टी पर अराजकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है।

> दरअसल ऐसा माना जा रहा है शेख हसीना की मनमानी से वहां की जनता परेशान थी। वहीं वहां पर हसीना पिछले कई सालों से पीएम बनती जा रहीं है साथ ही साथ विपक्ष को कमजोर करती जा रही है। वहां की लोकतांत्रिक प्रक्रिया खत्म हो रही थी। इसकी वजह से भी लोगों में आक्रोश था उसी का खामियाजा देश को भुगतना पड़ गया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गिग व प्लेटफॉर्म श्रमिकों को शोषण से बचाएं

तिरुचि शिवा

यह निजी कंपनियों दवारा गिग और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म श्रमिकों को शोषणकारी प्रथाओं से बचाने के मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करने के लिए है। हमारी गिग अर्थव्यवस्था, जो लगभग 80 लाख श्रमिकों को लचीलापन और आय के अवसर प्रदान करती है। नीति आयोग के अनुसार, 2030 तक यह सख्या 2.3 करोड़ श्रमिकों तक बढ़ने की उम्मीद है। यह अर्थव्यवस्था अक्सर श्रमिकों को अनुचित व्यवहार और अपर्याप्त सुरक्षा के प्रति संवेदनशील छोड़ देती है। कोविड-19 महामारी ने दिखाया है कि गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों ने अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे ड्राइवर, डिलीवरी कर्मी और एजेंट के रूप में कार्यरत थे। (स्विगी, जोमाटो, डंजो, उबर, ओला जैसी ऐप्स के माध्यम से) उन्होंने सुनिश्चित किया कि बुनियादी आवश्यकताएं लोगों के घरों तक पहुंच रही थी।

हालांकि, हाल की रिपोर्ट हमारे देश में इन सेवा प्रदाताओं दवारा सामना की जा रही अस्थिर स्थितियों को उजागर करती हैं। कंपनियां, जो केवल प्रौदयोगिकी के माध्यम से मध्यस्थ हैं, ने प्रदर्शन-आधारित गतिशील रेटिंग सिस्टम पेश किया है। इस सिस्टम में, श्रमिकों की रेटिंग और लक्ष्य प्राप्तियों के आधार पर उन्हें अग्रिम शिफ्ट बुक करने की सुविधा मिलती है। उन्हें व्यक्तिगत ऋण पर आकर्षक ब्याज दरें और कुछ मामलों में स्वास्थ्य बीमा जैसी आवश्यक सुविधाए भी मिलती हैं। उदाहरण के लिए, कुछ लक्ष्यों को पूरा न करने वाले डिलीवरी कर्मियों ने अपने स्वास्थ्य बीमा कवरेज को कम या यहां तक कि रद्द होते देखा है। इससे उन्हें और उनके परिवारों को चिकित्सा आपात स्थितियों में महत्वपूर्ण जोखिम का सामना करना पड़ता है। यह वैश्विक मानकों के विपरीत है। उदाहरण के लिए, दुनिया भर में खाद्य वितरण प्लेटफॉर्म गिग श्रमिकों को दुर्घटना कवर प्रदान करते हैं, बिना किसी गेमिफिकेशन के।

रोजगार की असुरक्षा इन श्रमिकों के लिए यूनियन बनाने और सामूहिक सौदेबाजी में शामिल होने में एक बाधा है। इस स्थिति को इन श्रमिकों की सुरक्षा के लिए नियामक ढांचे की कमी से और खराब किया गया है। गिग

श्रमिकों को अक्सर संगठित क्षेत्र के सेवा क्षेत्र के कर्मचारियों के बजाय स्वतंत्र ठेकेदारों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। इससे उन्हें पारंपरिक श्रम संरक्षण और लाभों से बाहर रखा जाता है। उन्हें अक्सर साझेदार या एजेंट के रूप में संदर्भित किया जाता है बजाय कर्मचारी के। ऐसे अनुबंध केवल एक छलावा हैं और वास्तविक संबंध कर्मचारी और नियोक्ता का होता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस अंतर को स्वीकार किया है। गिग श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा लाभ, स्वास्थ्य बीमा और मातृत्व लाभ प्रदान करने के लिए दायर याचिकाओं को स्वीकार किया है। विभिन्न राज्य स्तरों पर आशाजनक विधायी प्रयासों ने भी इन चिंताओं को संबोधित करने का लक्ष्य रखा है। सामाजिक सुरक्षा पर श्रम संहिता, 2020, ने गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को नए व्यावसायिक श्रेणियों के रूप में मान्यता दी है। इसने गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए योजनाओं के निर्माण के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा लाभ की परिकल्पना की है। हालांकि, कोई योजना अंतिम रूप नहीं दी गई है। कोड के तहत गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों से संबंधित प्रावधान अभी तक लागू नहीं हुए हैं। शिकायतों के उद्देश्यों के लिए, मौजूदा केंद्रीय श्रम कानून में गिग श्रमिकों को कोई परिभाषा नहीं है। यह आवश्यक है कि हम इस समस्या का तुरंत समाधान करें। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि गिग श्रमिकों को संगठित सेवा क्षेत्र के अन्य श्रमिकों के समान पर्याप्त मुआवजा और सुरक्षा प्राप्त हो। हमें नीतियों को लागू करना चाहिए जो गिग श्रमिकों के लिए उचित मुआवजा, स्वास्थ्य लाभ और कानूनी सुरक्षा को अनिवार्य करें।

उन्हें संगठित सेवा क्षेत्र के उनके समकक्षों से कम कुछ भी प्रदान नहीं करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, गिग अर्थव्यवस्था के विनियमन के लिए एक राष्ट्रीय ढांचा स्थापित करना चाहिए। यह सभी सेवा क्षेत्र के श्रमिकों के लिए समान मानकों को सुनिश्चित कर सकता है, चाहे वे जिस भी प्लेटफॉर्म के लिए काम करते हों। मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि वह गिंग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के अधिकारों और कल्याण को सेवा क्षेत्र के श्रमिकों के बराबर सुरक्षित करने के लिए एक समान वातावरण बनाए। हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि वे जो सम्मान और सुरक्षा प्राप्त करें जिसके वे हकदार हैं, बिना समझौते के।

बदलती जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षित हों युवा

सुरेश सेठ

एआई और रोबोटिक्स के चलते स्थायी व्यवस्था की जगह गिग अर्थव्यवस्था सामने आएगी। इसमें जरूरत के अनुसार अस्थायी कर्मचारियों को काम पर रखने का चलन बढ़ेगा। इसके साथ ही, काम के घंटे बदलने के कारण पारंपरिक नौकरियों की व्यवस्था के अतिरिक्त कर्मचारी संविदा के आधार पर विभिन्न सेक्टरों-कंपनियों में एक साथ कई जिम्मेदारियां संभाल सकेंगे।

दुनिया तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। कामकाज के तरीके तेजी से डिजिटल और स्वचालित हो रहे हैं। रोबोटिक शक्ति इसका आधार बन रही है। कृत्रिम मेधा भी मुख्य सहयोगी के रूप में उभर रही है। यानी भारत में उत्पादन, निवेश और खेती-किसानी के तरीके भी बदलेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार अगले दस सालों में कामकाज के घंटों और नौकरी करने के तौर-तरीकों में परिवर्तन आएगा। एआई और रोबोटिक्स के चलते स्थायी व्यवस्था की जगह गिग अर्थव्यवस्था सामने आएगी। इसमें जरूरत के अनुसार अस्थायी कर्मचारियों को काम पर रखने का चलन बढ़ेगा। इसके साथ ही, काम के घंटे बदलने के कारण पारंपरिक नौकरियों की व्यवस्था के अतिरिक्त कर्मचारी संविदा के आधार पर विभिन्न सेक्टरों-कंपनियों में एक साथ कई जिम्मेदारियां संभाल सकेंगे। इसका असर डिजिटल और इंटरनेट की दुनिया में अभी से दिखने लगा है।

आईटी एक्सपर्ट वर्क फ्रॉम होम करते हुए एक साथ कई कंपनियों का काम संभाल रहे हैं। पिछले दिनों एक प्रस्ताव सामने आया था कि काम के घंटे 10 से 14 कर दिए जाएं, क्योंकि आईटी क्रांति का सामना इसी तरह से किया जा सकेगा। बहरहाल, कामकाजी दुनिया की हकीकत बदल रही है। हाल के बजट में वित्तमंत्री ने भी जिन पांच क्षेत्रों में नौकरी की व्यवस्था पर ध्यान केन्द्रित किया है, उसमें कृत्रिम मेधा और रोबोट्स की दुनिया के प्रयोग को नकारा नहीं है। भारत, जिसकी आबादी इस समय दुनिया में सबसे अधिक है, क्या वह कृत्रिम मेधा या रोबोट का उपयोग उसी तरह कर सकता है जैसे शक्ति-संपन्न पश्चिमी देश करते हैं, जहां आबादी की कमी है। बजट सत्र में वित्तमंत्री ने नई नौकरियों के लिए दो लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके द्वारा अगले पांच साल में 4.1 करोड़ नौजवानों को विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे रोजगार की दुनिया में खुद को अनुकूलित कर सकें। देश में आज भी आधी आबादी से कम खेतीबाड़ी में लगी हुई है। प्रश्न है कि वहां से सकल घरेलू आय में केवल 15 प्रतिशत का योगदान ही क्यों मिल रहा है? आंकड़े बता रहे हैं कि कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर बढ़ी है।

इसके अतिरिक्त, ऐसे बेरोजगार भी हैं जो पारंपरिक तरीके से अपनी पैतृक खेतीबाड़ी के धंधे में लगे रहते हैं, लेकिन देश की निवल आय में उनका कोई योगदान नहीं है। इस अनुपयोगी युवा शक्ति का इस्तेमाल किसी ऐसे वैकल्पिक धंधे में होना चाहिए जो उन्हें ग्रामीण स्तर पर ही वहीं काम उपलब्ध करवा दे। लघु और कुटीर उद्योगों का विकास और फसलों को पूर्ण रूप से तैयार करके सीधे मंडी में बेचना भी एक समाधान हो सकता है। बजटीय घोषणाओं में अगले वर्ष अखिल भारतीय सहकारी अभियान चलाने का वादा है। इसके अंतर्गत इन सभी लोगों को काम मिलेगा। लघु-कुटीर उद्योगों की बातें तो होती हैं लेकिन लाल डोरा क्षेत्र में भी ग्रामीण युवा शक्ति के स्थान पर शहरी निवेशक ही प्रवेश करता नजर आता है। निस्संदेह, जब निजी क्षेत्र का विकास होगा और नये कारखाने खुलेंगे या फसलों पर आधारित छोटे उद्योग बढ़ेंगे, तो लोगों को स्वाभाविक रूप से रोजगार मिल जाएगा।

सरकार द्वारा नौकरियां देने की क्षमता बहुत कम है। बेरोजगारों को सरकारी नौकरी देने का प्रतिशत 30 से अधिक नहीं रहा। आर्थिक प्रोत्साहन और नए निवेश के बावजूद देश अधिक से अधिक हर साल 70 लाख नौकरियां ही प्रदान कर पाएगा, जबकि देश के युवाओं को हर वर्ष कम से कम एक करोड़ नौकरियों की आवश्यकता पड़ेगी। क्या निजी क्षेत्र, सरकार के सभी प्रोत्साहनों, सब्सिडियों, मुद्रा योजनाओं और लोन क्षमता बढ़ाने के बावजूद इस कसौटी पर पूरा उतर सकेगा? बेशक, इस बार के बजट में मुद्रा योजना के तहत कर्ज की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख प्रति इकाई कर दी गई है। नया प्रशिक्षण प्राप्त करने की इंटर्नशिप पर सबसिडी भी दी जा रही है।

लेकिन क्या इतना काफी है? देश में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों को अभी भी उचित महत्व नहीं दिया जा रहा। शिक्षा बजट में केवल सवा लाख करोड़ रुपये और सेहत पर केवल 89 हजार करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। यह युवा शक्ति को स्वस्थ-शिक्षित नागरिक बनाने हेतु काफी नहीं है। शिक्षाविदों के अनुसार, पुरानी शिक्षा पद्धति से निकले हुए 75 प्रतिशत ग्रेजुएट्स नई डिजिटल व्यवस्था में नौकरी के योग्य नहीं हैं। इसलिए, युवा शक्ति को अपनी डिग्री से कहीं नीचे के काम करने के लिए समझौता करना पड़ता है। देश में काम देने में असंगठित क्षेत्र का बहुत बड़ा योगदान रहा है, लेकिन डिजिटलीकरण के साथ असंगठित क्षेत्र भी बिखरता नजर आ रहा है। जरूरी है कि बेरोजगारों के संघर्ष को बेहतर ढंग से समझा जाए और बदलते समय की मांगों के अनुसार युवा शक्ति को प्रशिक्षित करके उसे सही दिशा में कार्यशील बनाया जाए।

माता-पिता न करें ये गलती

अन्यथा पढ़ाई में पिछड़ सकता है आपका बच्चा

हर अभिभावक अपने बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए चिंतित होता है। वह बच्चे को अच्छे संस्कार, बेहतर शिक्षा देना चाहते हैं, ताकि बच्चा बड़ा होकर एक आदर्श नागरिक और एक सफल व्यक्ति बन सके। हालांकि कई बार माता पिता जाने-अनजाने में बच्चे के परवरिश के दौरान कुछ ऐसी गलतियां कर जाते हैं, जिससे उनका बच्चा पढ़ाई से दूर भागने लगता है। माता पिता उसे पढ़ाने का प्रयास तो करते हैं लेकिन वह फिर भी पढ़ाई में पिछड़ने लगता है। अगर ऐसा आपके बच्चे के साथ भी हो रहा है कि वह पढ़ाई में पिछड़ रहा है तो पहले ये जानने की कोशिश करें कि कहीं आपकी परवरिश में कोई कमी तो नहीं। अपनी गलतियों को सुधार कर बच्चे को सही राह दिखा सकते हैं।

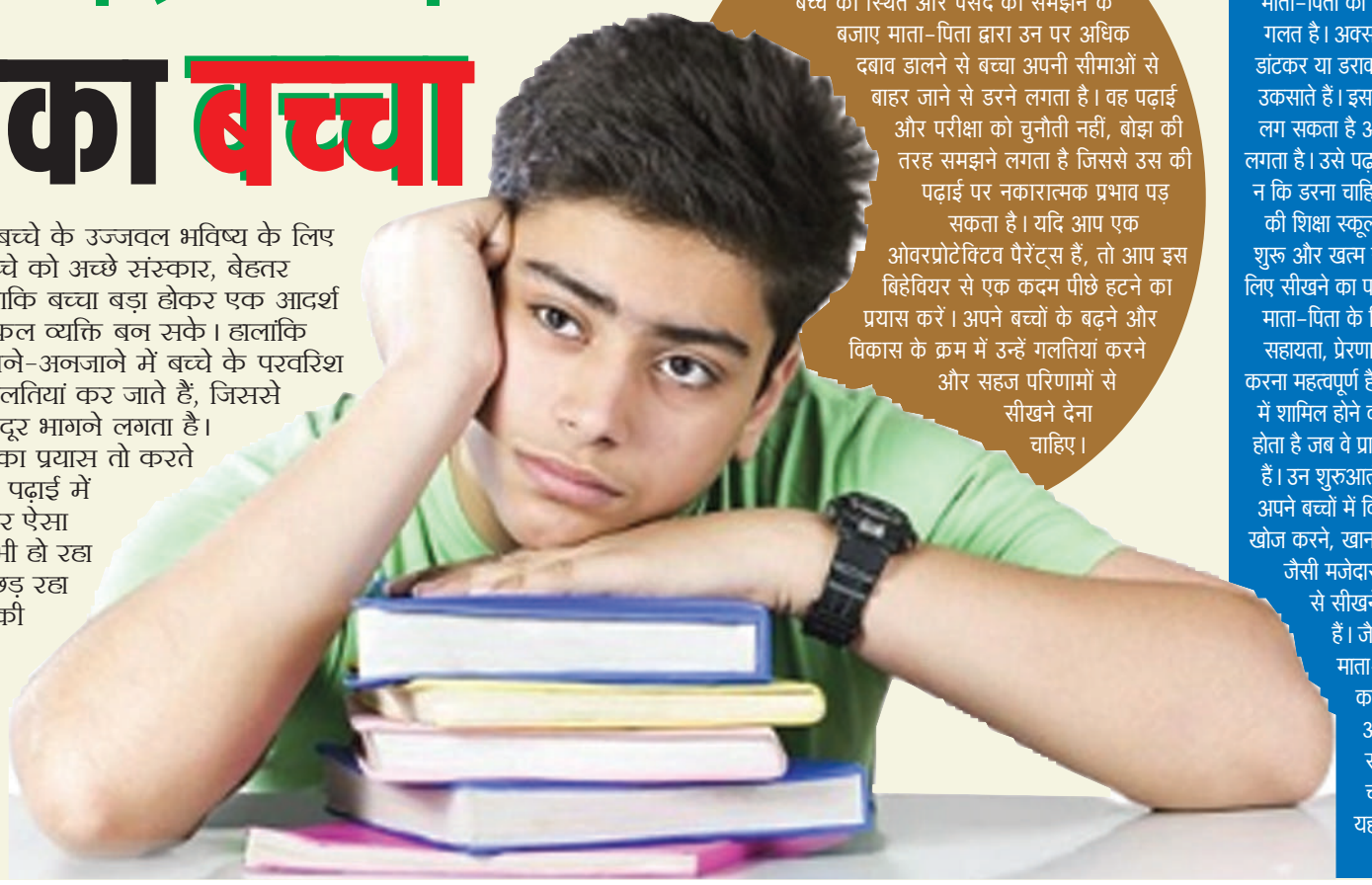

प्राथमिकताएं समझना

कई बार अभिभावक यह समझते हैं कि सिर्फ अच्छे नंबर ही महत्वपूर्ण हैं, जिससे बच्चा पढ़ाई में दबाव महसूस करता है। इसके बजाय, उन्हें बच्चे के अच्छे अध्ययन की प्रेरणा देनी चाहिए। उन्हें प्रोत्साहित करें। टॉप करने पर फोकस नहीं, सीखने और समझने के लिए प्रेरित करें। ये समझें कि बच्चा पढ़ाई के साथ अन्य किन कामों में बेहतर है, उसे उसकी पसंद के काम भी करने दें।

अधिक नियंत्रण

बच्चे की स्वतंत्रता को समझने के बजाय, अधिक नियंत्रण रखना माता पिता की सबसे बड़ी गलती बन सकती है। इससे बच्चे में स्वाधीनता की कमी हो सकती है और वह पढ़ाई से दूर भागने लगता है। पढ़ाई को बच्चे के लिए सजा न बनाएं। उसे स्वतंत्र करें और पढ़ाई के साथ ही अन्य कामों में भी उसकी इच्छा का सम्मान करें। क्योंकि बेशक, हम सभी अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध होते हैं। लेकिन ओवरप्रोटेक्शन हमारे बच्चे की क्षमता में बाधा डालता है। ओवरप्रोटेक्ट का मतलब है जरूरत से ज्यादा सुरक्षा। लेकिन कभी-कभी आपका प्यार या चिंता बच्चे के लिए परेशानी का सबब बन जाता है।

अत्यधिक दबाव

अभिभावक अक्सर अपनी रूचि के मुताबिक बच्चों पर दबाव बनाते हैं। बच्चे की स्थित और पसंद को समझने के बजाए माता-पिता द्वारा उन पर अधिक दबाव डालने से बच्चा अपनी सीमाओं से बाहर जाने से डरने लगता है। वह पढ़ाई और परीक्षा को चुनौती नहीं, बोझ की तरह समझने लगता है जिससे उस की पढ़ाई पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। यदि आप एक ओवरप्रोटेक्टिव पैरेंट्स हैं, तो आप इस बिहेवियर से एक कदम पीछे हटने का प्रयास करें। अपने बच्चों के बढ़ने और विकास के क्रम में उन्हें गलतियां करने और सहज परिणामों से सीखने देना चाहिए।

प्रेरणा की कमी

बच्चे को पढ़ाई में प्रेरित करने की जगह माता-पिता का उन्हें जबरदस्ती पढ़ाना गलत है। अक्सर माता पिता बच्चे को डांटकर या डराकर पढ़ाई करने के लिए उकसाते हैं। इससे बच्चा पढ़ाई से डरने लग सकता है और पढ़ाई से दूर भागने लगता है। उसे पढ़ाई से दोस्ती करनी होगी न कि डरना चाहिए। क्योंकि आपके बच्चे की शिक्षा स्कूल या कोचिंग सेंटर पर शुरू और खत्म नहीं होती। घर बच्चों के लिए सीखने का पहला संस्थान है, इसलिए माता-पिता के लिए घर पर आवश्यक सहायता, प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान करना महत्वपूर्ण है। आपके बच्चे की शिक्षा में शामिल होने का महत्वपूर्ण समय तब होता है जब वे प्राथमिक विद्यालय में होते हैं। उन शुरुआती स्कूली वर्षों में, आप अपने बच्चों में किताबें पढ़ने, प्रकृति की खोज करने, खाना पकाने, बागवानी आदि जैसी मजेदार गतिविधियों के माध्यम से सीखने की आदतें डाल सकते हैं। जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं, माता-पिता को उन्हें स्कूल के काम में मदद करनी चाहिए और उनके साथ नियमित रूप से उनकी प्रगति पर चर्चा करनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सही रास्ते पर हैं।

हंसना मना है

वो लड़कियां भी किसी आतंकवादी से कम नहीं हुआ करती थी जो टिचर के क्लास में आते ही याद दिला देती है ... सर आपने टेस्ट का बोला था!

वकील – हत्या की रात तुम्हारे पति के अंतिम शब्द? पत्नी – मेरा चश्मा कहां है संगीता? वकील – तो इसमें मारने वाली क्या बात थी? पत्नी – मेरा नाम रंजना है! पूरा कोर्ट खामोश!

एक लड़का अचानक लड़की देखकर शायर बन गया, बोला-लफ्ज़ तेरे, गीत मेरे, लड़की बोली-हाथ मेरे, गाल तेरे, कान के निचे बजा डालूं क्या?

अंकल (पिंटू से)- और बेटा पढ़ाई कैसी चल रही है? पिंटू- बस, अंकल चलते-चलते मुझसे बहुत दूर चली गई है।

डॉक्टर- आपका दांत सड़ चुका है। इसे निकालना पड़ेगा। राजू- हां, तो कितने पैसे लगेंगे? दांत का डॉक्टर- बस 500 रुपए लगेंगे। राजू- 50 रुपए ले लो और थोड़ा सा ढीला कर दो, मैं खुद ही निकाल लूंगा।

मेरी पत्नी विवाह की वर्षगांठ जन्मतिथि के रूप में मनाती है', हीरालाल ने कहा। और आप? हीरालाल-'अपने जिंदगी की पुण्यतिथि के रूप में।

कहानी | गंगाजल से भरे घड़े की आत्मकथा

संतों की एक सभा चल रही थी, किसी ने एक दिन एक घड़े में गंगाजल भरकर वहां रखवा दिया ताकि संत गंगाजल पी सकें। सभा के बाहर एक व्यक्ति को घड़ा देख तरह-तरह के विचार आने लगे, अहा ! यह घड़ा कितना भाग्यशाली है! एक तो इसमें किसी तालाब पोखर का नहीं बल्कि गंगाजल भरा गया और दूसरे यह अब सन्तों के काम आयेगा। ऐसी किस्मत किसी-किसी की ही होती है। घड़े ने उसके मन के भाव पढ़ लिए बोल पड़ा, बंधु मैं तो सिर्फ मिट्टी का ढेर था। किसी काम का नहीं था, कभी ऐसा नहीं लगा कि भगवान् ने हमारे साथ न्याय किया है। फिर कुम्हार ने फावड़ा मार-मारकर हमको खोदा और घर ले जाकर हमको उसने रौंदा, फिर गूंथा, चाकपर तेजी से घुमाया, फिर गला काटा, फिर थापी मार-मारकर बराबर किया। उसके बाद आग में झोंक दिया। फिर मुझे बाजार लाया गया। वहां भी लोग मुझे ठोक-ठोककर देख रहे थे कि ठीक है कि नहीं? फिर कीमत लगायी भी तो क्या- बस 20 से 30 रुपये। हे ईश्वर सारे अन्याय मेरे ही साथ करना था। लेकिन ईश्वर की योजना कुछ और ही थी, किसी सज्जन ने मुझे खरीद लिया और जब मुझमें गंगाजल भरकर सन्तों की सभा में भेज दिया। तब मुझे आभास हुआ कि कुम्हार का वह फावड़ा चलाना भी उसकी की कृपा थी। अब मालूम पड़ा कि मुझ पर सब उस परमात्मा की कृपा ही कृपा थी। दरसल बुरी परिस्थितिया हमें इतनी विचलित कर देती हैं कि हम उस परमात्मा के अस्तित्व पर भी प्रश्न उठाने लगते हैं और खुद को कोसने लगते हैं, क्यों हम सबमें शक्ति नहीं होती उसकी लीला समझने की। कई बार हमारे साथ भी ऐसा ही होता है हम खुद को कोसने के साथ परमात्मा पर ऊंगली उठा कर कहते हैं कि उसने मेरे साथ ही ऐसा क्यों किया, क्या मैं इतना बुरा हूं? और मलिक ने सारे दु:ख तकलीफ़ें मुझे ही क्यों दिए। लेकिन सच तो ये है मालिक उन तमाम पत्थरों की भीड़ में से तराशने के लिए एक आप को चुना। अब तराशने में तो थोड़ी तकलीफ तो झेलनी ही पड़ती है।

7 अंतर खोजें

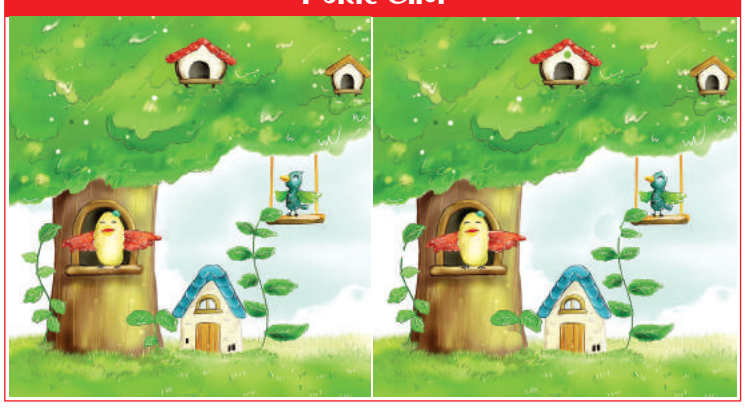

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा।

मिथुन

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। लाभ होगा। दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें।

कर्क

भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

सिंह

घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या

यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेंगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

तुला

आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें।

वृश्चिक

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

धनु

नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

मकर

किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

कुम्भ

ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। हितैषी सहयोग करेंगे। धनार्जन संभव है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें।

मीन

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

बैक पर जूम करने वाले पैप्स से मुझे कोई दिक्कत नहीं: शेफाली

बिग बॉस-13 में नजर आ चुकीं शेफाली जरीवाला इंडस्ट्री का एक जाना माना नाम है। उन्होंने साल 2002 में आए एक म्यूजिक वीडियो कांटा लगा से पॉपुलैरटी पाई थी। इस वीडियो से वह रातों-रात फेमस हो गई थीं। इसके बाद उन्होंने फिल्म मुझसे शादी करोगी में कैमियो रोल किया था। शेफाली कई टीवी शोज में भी दिख चुकी हैं। इन दिनों अपने एक बयान को लेकर लाइमलाइट में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस ने पैपराजी के फीमेल स्टार्स के पीछे से तस्वीरें लेने पर रिएक्ट किया है। बिग बॉस 13 फेम एक्ट्रेस हाल ही में पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में दिखाई दी थीं। पारस भी बिग बॉस-13 का हिस्सा थे और शो में शेफाली की उनके साथ काफी अच्छी दोस्ती थी। इस दौरान पॉडकास्ट में दोनों ने पैप्स स्पोर्टिंग को लेकर खुलकर बात की। इसके बाद पारस ने शेफाली से सवाल किया कि आप बैक पोजिंग पर क्या बोलना चाहोगी? पारस ने कहा कि मैंने न आपकी एक रील देखी थी, जहां आप और पराग भाई दोनों साथ में थे। उस समय आपका झुमका नीचे गिरा, तो आप झुक के उठाने वाले थे। तभी इतने में कैमरा पैन होता है आपकी बैक पर, इसके बाद पराग भाई ने वो चीज देखी और आपको झुमका उठाने से मना कर दिया था। इसके बारे में आपका क्या कहना है, जो ये ऐसे बैक पर फोकस कर देते हैं। शेफाली ने पारस सीधी से खुलकर बात की है। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा कि इन सब चीजों से मुझे कोई दिक्कत नहीं है। मैं अपने बैक पर बहुत मेहनत करती हूं, तो थोड़ा अच्छे दिखे मुझे कोई आपत्ति नहीं है। बता दें कि इससे पहले कई एक्ट्रेस ने फोटोग्राफरों से पीछे से उन्हें शूट न करने के लिए कहा साथ ही इसे गलत भी बताया है। यहां तक कि जाह्नवी कपूर ने तो एक इवेंट के दौरान पैपराजी को चेतावनी दी थी कि आप न गलत गलत एंगल से फोटो वीडियो मत लिया कीजिए प्लीज।

बॉक्स ऑफिस पर 'उलझ' की हालत खराब

इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में अजय देवगन की 'औरों में कहां दम था' और जाह्नवी कपूर की 'उलझ' का क्लैश हुआ था। दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के पहले दिन से स्ट्रगल कर रही हैं। वहीं जाह्नवी कपूर की 'उलझ' की बात करें तो फिल्म का रिलीज से पहले काफी बज था हालांकि सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद ये पहले ही दिन फुस्स हो गई। वहीं वीकेंड पर भी फिल्म कोई कमाल नहीं दिखा पाई है। चलिए यहां जानते हैं 'उलझ' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को कितने करोड़ कमाए हैं?

जाह्नवी कपूर की इस साल अब तक दो फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी हैं। जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की 'मिस्टर एंड मिसेज माही' को दर्शकों से काफी पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला था। वहीं अब एक्ट्रेस 'उलझ' के साथ सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी हैं। फिल्म में जाह्नवी ने आईएफएस ऑफिसर की भूमिका निभाई है। फिल्म से काफी उम्मीदें थी हालांक सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद ये पहले ही दिन फुस्स हो गई। फिल्म को दर्शकों और

क्रिटिक्स से मिक्स्ड रिव्यू मिला है। वहीं मेकर्स को उम्मीद थी कि ये फिल्म वीकेंड पर अच्छा कारोबार करेगी लेकिन फिल्म शनिवार और रविवार को भी दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आई।

'उलझ' स्टार कास्ट

बता दें कि 'उलझ' का निर्देशन सुधांशु सरिया ने किया है। ये फिल्म एक स्पाई थ्रिलर है। फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें तो इसमें जाह्नवी कपूर के अलावा रोशन मैथ्यू, गुलशन देवैया, आदिल हुसैन और राजेश तैलंग ने अहम रोल प्ले किया है 'उलझ'

'उलझ' की कमाई की बात करें तो फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 1.15 करोड़ का कलेक्शन किया था। दूसरे दिन फिल्म ने 52.17 फीसदी के उछाल के साथ 1.75 करोड़ कमाए। वहीं अब फिल्म की रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'उलझ' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को 2 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ 'उलझ' की तीन दिनों की कुल कमाई अब 4.90 करोड़ रुपये हो गई है।

उलझ' के लिए 10 करोड़ कमाना भी मुश्किल

जाह्नवी कपूर की 'उलझ' दर्शकों को समझ नहीं आई है। जिसके चलते फिल्म पहले दिन से ही सिनेमाघरों मे दर्शकों की बांट जोहती दिख रही है। शनिवार और रविवार फिल्म की कमाई में मामूली तेजी भी आई लेकिन ये फिल्म उम्मीद के मुताबिक कारोबार नहीं कर पाई है। फिल्म को रिलीज हुए तीन दिनो हो चुके हैं और ये 5 करोड़ रुपये भी नहीं कमा पाई है। फिल्म जिस कछुए की चाल से आगे बढ़ रही है उसे देखते हुए लग रहा है कि 'उलझ' जल्द ही बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ सकती है।

'खून भरी मांग' से मिली 'फिर आई हसीन दिलरुबा' बनाने की प्रेरणा : कनिका ढिल्लों

तापसी पन्नू की आगामी फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' इन दिनों काफी चर्चा में हैं। तापसी पन्नू इस फिल्म में अपने अभिनय से एक बार फिर फैंस का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। फिल्म में तापसी का किरदार कहानी के अनुरूप काफी ज्यादा अहम है। फिल्म की लेखिका कनिका ढिल्लों ने भी इसे लेकर बात की है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि उनकी आगामी फिल्म में विक्रांत मैसी, सनी कौशल, तापसी पन्नू के साथ मगरमच्छ भी प्रमुख किरदार में होगा। इसमें जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि इस फिल्म से उन्हें कहां से प्रेरणा मिली, इसका अनुमान लगाना काफी आसान है।

'फिर आई हसीन दिलरुबा' की कहानी को अपने कलम से ढालने वाले कनिका ढिल्लों ने कहा कि वो साल 1988 में आई फिल्म 'खून भरी मांग' की बड़ी फैन रही हैं। वो हमेशा से ऐसा कुछ लिखना चाहती थीं, जो फिल्म के लिए एक सही श्रद्धांजलि जैसा हो। लेखिका ने आगे मुस्कुराते हुए कहा, ट्रेलर में वह शॉट, जहां एक मगरमच्छ कलाकारों के नाव के बगल में आ जाता है, वो काफी व्यक्तिगत है।

कनिका ने आश्वास्त किया कि इस फिल्म की कहानी पहले भाग की तरह ही काफी शानदार है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म रानी और रिशु के जीवन को आगे बढ़ाती है, जिसमें अब एक और तीसरा प्रेमी जुड़ जाता है। लेखिका ने कहा कि उन्हें 'हसीन दिलरुबा' की दुनिया बनाना काफी पसंद आया। उन्होंने कहा कि वह पिछली फिल्म को मिली सफलता से काफी उत्साहित हैं, इसलिए इस फिल्म में वो और भी बोल्ड हो गए हैं। फिल्म पर गलत प्रभाव डालने वाले किरदारों की महिमा मंडन करने का आरोप भी लग रहा है। ऐसे में कनिका का कहना है कि वह इसके पहले भाग से ही इस तरह की बातों से निपट रही हैं। उन्होंने कहा कि दर्शकों से आने वाली सभी प्रतिक्रियाओं का वो स्वागत करती हैं। किरदारों की खामियां और उनके आचरण को लेकर बातें होनी ही चाहिए।

अजब-गजब | सुसाइड फॉरेस्ट के नाम से दुनिया भर में मशहूर है ये जंगल

बहुत खौफनाक है ये जंगल, अंदर गुम हो जाते हैं लोग

जंगल अपने आप में जरा घने होने पर ही डरावने लगने लगते हैं। कुछ जंगल वास्तव में डरावने होते भी हैं। पर जापान में एक जंगल ऐसा भी है जिसे सुसाइड फॉरेस्ट कहा जाता है। यह खास तौर से आत्महत्याओं के लिए मशहूर है। लेकिन कम लोग जानते हैं कि असल में यह घना जंगल बहुत ही खतरनाक है और यहां गुम होने वाले लोग कभी नहीं मिलते हैं। आओकीगहारा जंगल में आत्महत्या रोकने के लिए सरकार को खास इंतजाम करने पड़े हैं।

आओकीगहारा जंगल में कई लोगों ने अपने अपने लम्हों के लिए चुना है, जो यहां से लौटने का कोई इरादा नहीं रखते हुए आते हैं। यह सैन फ्रांसिस्को के गोल्डन ब्रिज के बाद दुनिया की दूसरी ऐसी जगह है जहां सबसे ज्यादा आत्महत्याएं होती हैं। जापान में पहले से ही आत्महत्या करने की दर अधिक है। पिछले कुछ सालों में, ऐसा माना जाता था कि आओकिगाहारा में युरेई या क्रोध और प्रतिशोध से भरे पौराणिक जापानी भूत भी रहते थे। इसके भयावह इतिहास ने जंगल को 2016 की हॉरर फिल्म द फॉरेस्ट के लिए उपयुक्त स्थान बना दिया। यहां तक कि कई लोकप्रिय उपसन्यासों और कहानियों में भी आओकिगाहारा को सर्वश्रेष्ठ आत्महत्या की जगह बताया गया है। इस जंगल में जाकर लोग आत्महत्या ना करें, इसके लिए जापानी सरकार ने खास इंतजाम किए हैं। इन उपायों में आओकिगाहारा के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा कैमरे लगाना और गश्त बढ़ाना शामिल था। आत्महत्या

रोकथाम सलाहकारों और पुलिस ने पूरे जंगल में तमाम रास्तों पर संकेत भी लगाए हैं जो अपने बच्चों, अपने परिवार के बारे में सावधानी से सोचें जैसे संदेश देते हैं। एक और पोस्ट किए गए संकेत में लिखा है, आपका जीवन आपके माता-पिता की ओर से एक अनमोल उपहार है। जगंल के पहाड़ की तलहटी में स्थित होने के कारण, जमीन असमान, पथरीली और ऊबड़ खाबड़ है। पेड़ इतने घने हैं कि हवाएं उनमें से नहीं गुजर सकतीं और वन्यजीव विरल हैं। जंगल में खो जाना सबसे आसान है यहां पर बहुत सी जगहों पर फोन नहीं चलते हैं। कई लोगों ने बताया कि यहां कम्पास काम नहीं करता है।

आओकिगाहारा जंगल वैसे तो बहुत बदनाम है, लेकिन भी यहां लोग इसकी खूबसूरती का आनंद लेने भी आते हैं। कई पर्यटक केवल माउंट फ़ूजी के खूबसूरत नज़ारों को देखने और प्राकृतिक नजारों के मुख्य आकर्षणों को देखने के लिए आते हैं इनमें विशिष्ट लावा पठार, 300 साल पुराने पेड़ और मनमोहक नरुसावा आइस गुफा प्रमुख तौर पर शामिल हैं।

यहां कोई गुम हो जाए तो उसकी तलाश करना भी बहुत ही मुश्किल हो जाता है। यहां गुम हुए कई लोग आज तक नहीं मिले हैं। जंगल बहुत बड़ा और घना है, जिससे खोज और बचाव दल के लिए इसके हर हिस्से को कवर करना मुश्किल हो जाता है। इंटरनेट पर आत्महत्या के जंगल की परेशान करने वाली तस्वीरें भरी पड़ी हैं, जिसमें झाड़ियों में छोड़े गए निजी सामान से लेकर मानव हड्डियां तक शामिल हैं।

किसी मिस्ट्री से कम नहीं ये जगह, धुएं की तरह बहता पानी, आकार बदलती चट्टानें!

मध्य प्रदेश में एक ऐसी जगह है, जिसके आगे विदेश के नजारे भी फीके लगते हैं। जबलपुर का भेड़ाघाट है ही इतना सुंदर। संगमरमर की चट्टानें और आसपास हरे-भरे पेड़। जगह इतनी खास है कि कई फिल्में शूट हो चुकी हैं। बोटींग करने के लिए भी लोग इस जगह को बेस्ट मानते हैं। इस घाट की चट्टानों को भी लोग जादुई बताते हैं। भेड़ाघाट पर मौजूद पत्थर समय के साथ चट्टानों में बदल गए हैं। 100 फीट ऊंची चट्टाने इस घाट को खास बनाती हैं। बहते हुए पानी ने इन मार्बल रॉक्स को 5 किलोमीटर की घाटी में बदल दिया है। इन मार्बल पर मैग्नेशियम बहुत ज्यादा है, इसलिए यह पत्थर नर्म है। इस घाट का एक जलप्रपात भी बहुत फेमस है। नाम है धुआंधार जलप्रपात। पानी इतनी तेजी से गिरता है कि धुएं जैसा दिखाई देता है। यहां बहने वाले पानी की आवाज बहुत जोर की आती है। भेड़ाघाट में बना चौसठ योगिनी मंदिर भी खास है। यहां 64 योगिनियों की मूर्तियां हैं। इतिहासकार जयंत वर्मा बताते हैं, 'जो नर्मदा नदी है, वो 2 नदी हैं, जो बंगाल की खाड़ी की जगह अरब सागर में गिरती है। एक ताप्ती और एक है नर्मदा।

एक जमाने में यहां फॉल्ट था, जो 2 बन गए। बीच की जमीन रह गई। नर्मदा और ताप्ती दोनों की अरब सागर में जाती है। अरबों साल पहले जो ज्वालामुखी फटा, जो लावा बहा तो उससे एक सॉफ्ट स्टोन बना दिया। यह मार्बल नहीं है।'कई फीट ऊंची इन चट्टानों को लोग जादुई बताते हैं। नदी जैसे-जैसे बहती है, चट्टान आकार बदल देती है। यह चट्टाने बाहर से दिखने में काली और अंदर से सफेद होती हैं। रात के समय यहां का नजारा दोगुना खूबसूरत हो जाता है। चांद की रोशनी में संगमरमर बहुत खूबसूरत लगता है। कुछ समय पहले भेड़ाघाट में डायनासोर के अंडे भी मिल चुके हैं। कुछ समय पहले भेड़ाघाट खूब लाइमलाइट में रहा। शाहरुख खान और तापसी पन्नू की फिल्म 'डंकी' में इस जगह को देखा गया। इसके अलावा मोहनजोदड़ो , प्राण जाये पर वचन ना जाये, अशोका, जिस देश में गंगा बहती है और बॉबी जैसी फिल्मों की भी यहां शूटिंग हो चुकी है। भेड़ाघाट पहुंचने के लिए आपको जबलपुर रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर उतरना होगा। जबलपुर से यह जगह लगभग 25 किलोमीटर दूर है। शहर का अपना एयरपोर्ट भी है। भेड़ाघाट तक जाने के लिए आपके पास रोपवे का ऑप्शन मौजूद है। घाट में बोटींग करने पर नजारों को और करीब से देखा जा सकता है, जिसकी टिकट 200 रुपये है।

लोगों को बांटने की राजनीति कर रही सरकार : तेजस्वी

» बोले- सिर्फ वोटों के लिए लाया गया वक्फ बोर्ड एक्ट संशोधन बिल

» आरक्षण को संविधान की नौंवी अनुसूची में शामिल न किए जाने पर जताया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। केंद्र की एनडीए सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड की शक्तियों में संशोधन करने को लेकर सियासत गरमाई हुई है। इस बीच बिहार के नेता प्रतिपक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी वक्फ बोर्ड एक्ट संशोधन बिल पर अपनी प्रतिक्रिया दी। पत्रकारों के पूछे गए एक सवाल के जवाब में तेजस्वी यादव ने कहा कि बस वोट के लिए ही केंद्र सरकार ने ये अध्यादेश या विधेयक लाया है। निश्चित तौर पर यह देश में ध्रूवीकरण और लोगों को बांटने की राजनीति है।

देखा जाए तो केंद्र सरकार को इसके अलावा कोई काम नहीं है, वह सिर्फ और सिर्फ इसी पर राजनीतिक रोटी सेकना चाहती है। इस बीच तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि अभी तक नौंवीं अनुसूची में आरक्षण को क्यों नहीं डाला गया। नीतीश कुमार ने तो वादा किया था कि विशेष राज्य का दर्जा दिलाएंगे क्यों नहीं दिलवाया गया। अब क्यों वो खामोश हैं। वहीं जब उनसे पूछा गया कि तामिलनाडु के परिवहन मंत्री ने प्रभु श्रीराम को लेकर विवादित बयान दिया है, तो तेजस्वी यादव ने कहा कि किसकी क्या वक्तिगत राय है इससे हमारा कोई लेना देना नहीं है। सबकी अपनी-अपनी आस्था है, इस पर बहस करने का क्या मतलब है। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान श्रीराम पर जो बयान दिया गया है, निश्चित तौर पर इस तरह से नहीं होना चाहिए और कौन क्या बोलता है इससे क्या फर्क पड़ता है।

राजवंशी नगर मंदिर में की पूजा अर्चना

तेजस्वी अपनी बेटी और पत्नी के साथ राजवंशी नगर मंदिर में सावन की पूजा करने पहुंचे थे, जहां उन्होंने भक्तों की सेवा की और लोगों को खाना खिलाया। इस दौरान भारी बारिश के कारण उनकी पत्नी और नन्हीं बेटी कात्यायनी को छतरी लेकर मंदिर में पहुंचाया गया। तेजस्वी की बेटी और पत्नी को देखने के लिए वहां लोगों का हुजुम लगा हुआ था, मंदिर के अंदर भी काफी भीड़ थी।

मांझी ने चिराग को बताया स्वार्थी

आरक्षण के अंदर कोटा को लेकर एनडीए के दो घटक दल आमने-सामने आ गए हैं। एससी एसटी को लेकर दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जहां चिराग पासवान नाखुश हैं। वहीं केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को स्वार्थी बता दिया है, जिन्होंने कोर्ट के फैसले पर असहमती जताई है। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक जीतन राम मांझी ने कहा कि मुसहर, भुइयां, मेहतर जाति के जो लोग हैं, उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाता। गरीब और गरीब हो रहा है। इस जाति के लोग कितने इंजीनियर, आईएएस या आईपीएस हैं। जो लोग आज नराजगी जता रहे हैं उसी चार जातियों के लोगों को आरक्षण का लाभ ज्यादा मिलता है। यानी शिड्यूल कास्ट के लोग ही 76 साल से आरक्षण का लाभ ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि चिराग पासवान को समझना चाहिए कि सिर्फ पासवान जाति को नहीं आरक्षण नहीं मिलेगा उसमें समाज में और भी जातियां हैं।

विस में विपक्ष के साथ हो रहा अलोकतांत्रिक व्यवहार : गहलोत

» पूर्व मुख्यमंत्री ने विपक्षी विधायकों के साथ पक्षपात करने का सरकार पर लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित पार्टी के अनेक नेताओं ने विधायक मुकेश भाकर को विधानसभा से निलंबित किए जाने की आलोचना की है। गहलोत ने आरोप लगाया कि विधानसभा में विपक्ष के विधायकों के साथ अलोकतांत्रिक व पक्षपातपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकारी वकीलों की नियुक्ति से जुड़े एक मुद्दे को लेकर हुए हंगामे व नारेबाजी के बीच विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मुकेश भाकर को सदन से निलंबित करने की घोषणा की। बाद में भाकर को सदन से निकालने के लिए आए मार्शलों व कांग्रेस विधायकों में धक्का मुक्की हुई।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए गहलोत ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पहले विधानसभा में कांग्रेस विधायक मुकेश भाकरका निलंबन तथा जबरन निष्कासन फिर मार्शलों द्वारा वरिष्ठ विधायक हरिमोहन शर्मा को जमीन पर गिराना व विधायक अनिता जाटव से बदसलूकी कर उनकी चूड़ियां तक तोड़ देने की मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। यह राज्य की भाजपा सरकार की तानाशाही सोच का नतीजा है जिसके कारण चुने हुए जनप्रतिनिधियों के साथ ऐसा दुर्व्यवहार किया गया। विधानसभा में प्रतिपक्ष के विधायकों के साथ जिस प्रकार का अलोकतांत्रिक व पक्षपातपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

पाप की बाल्टी भरते देर नहीं लगती

» बोलीं- नौकरी दीजिए, महंगाई हटाइये, वर्ना झोला उठाकर तैयार रहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लोक गायिका नेहा सिंह राठौर ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली। भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में चल रहे राजनीतिक संकट और तख्ता पलट के बीच छात्रों का प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रधानमंत्री शेख हसीना अपने पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर जा चुकी हैं। इस मामले को लेकर अब लोक गायिका नेहा सिंह राठौर ने निशाना साधा है। गायिका ने बिना कोई नाम लिए कहा कि पाप की बाल्टी भरते देर नहीं लगती।

नेहा ने बांग्लादेश की सियासी हलचल को लेकर केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए एक के बाद कई निशाने साधे। उन्होंने लिखा कि पाप की बाल्टी भरते देर नहीं लगती साहब। पड़ोसन की तो भर गई। आप अपनी देख लो। आप भी समय रहते चेत जाइए सर। उन्होंने आगे कहा कि जल्द से जल्द नौकरियां दीजिए। महंगाई घटाइये और भ्रष्टाचार खत्म कीजिए। वरना झोला उठाकर तैयार रहिए।। उन्होंने एक और पोस्ट में लिखा कि आप डरिए मत सर। आपको कोई कुछ नहीं कहेगा। बस आप देशवासियों को मूर्ख समझना बंद कर दीजिए। लोग सब समझते हैं। वो जानते हैं कि आपको उनके जीने-मरने से फर्क नहीं पड़ता।

» गवर्नर सीवी बोस ने ममता सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

» राज्य में वित्तीय स्थिति को लेकर एक श्वेत पत्र जारी करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में राज्यपाल और प्रदेश सरकार के बीच लगातार तनातनी का माहौल बना रहता है। अब एक बार फिर राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राज्य सरकार पर कुछ आरोप लगाए हैं। गवर्नर सीवी आनंद बोस ने कहा कि राज्य के वित्तीय प्रबंधन में कई खामियां हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर फंड को डायवर्ट करने का भी आरोप लगाया।

राज्यपाल बोस ने आगे कहा कि यह देखना राज्यपाल का कर्तव्य है कि सरकार का कामकाज संविधान के तहत हो। मुझे भारतीय रिजर्व बैंक और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के विश्लेषण से अनियमितताओं की जानकारी मिली है। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि प. बंगाल में वित्तीय मंदी है। धन का दुरुपयोग किया जा रहा। गरीबी उन्मूलन के लिए निर्धारित धन का इस्तेमाल अन्य उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की कई फिजूलखर्चियों को टाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैंने राज्य में वित्तीय स्थिति को लेकर एक श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। मैं एक दिवालिया राज्य की वित्तीय स्थिति के बारे में तथ्यात्मक स्थिति देखना चाहता हूं।

धन का हो रहा दुरुपयोग

मुख्यमंत्री से जानकारी मांगना राज्यपाल की जिम्मेदारी

सांविधानिक रूप से राज्यपाल इसके लिए सक्षम है। प्रशासन के किसी भी पहलू पर मुख्यमंत्री से जानकारी मांगना राज्यपाल की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री के लिए राज्यपाल को इस प्रकार की जानकारियां देना वैधानिक है। मैं इसका इंतजार करूंगा। पिछले महीने बोस ने बजट को जन-समर्थक बताया था। उन्होंने कहा था कि यह बंगाल सरकार के लिए केंद्र की ओर से आवंटित धन को प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का एक सुनहरा अवसर प्रस्तुत करता है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस का कहना है कि 'निष्क्रिय राज्यपाल' की अवधारणा अब पुरानी हो गई है। उन्होंने कहा कि अब निर्वाचित मुख्यमंत्री को सरकार का अग्रणी चेहरा बनना चाहिए। इसके अलावा राज्यपाल को निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में पृष्ठभूमि में होना चाहिए।

चोट ने तोड़ा रेसलर निशा के मेडल का सपना

» क्वार्टर फाइनल मुकाबले में लगी चोट

» कोच ने उत्तर कोरिया की खिलाड़ी पर लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। भारत की स्टार पहलवान निशा दहिया महिलाओं की 68 किग्रा स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में चोटिल हो गईं। उनका सामना उत्तर कोरिया की पाक सोल गम से हुआ। इस मैच के दौरान निशा के दाएं हाथ में गंभीर चोट आई जिसकी वजह से उन्हें मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। अब महिला पहलवान की चोट पर राष्ट्रीय टीम के कोच वीरेंद्र दहिया ने बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने उत्तर कोरिया की खिलाड़ी को इस चोट का जिम्मेदार ठहराया है। इस मैच में एक समय 8-2 की लीड लेकर निशा जीत की ओर बढ़ रही थीं, तभी उनके कंधे में खतरनाक चोट लग गई। निशा का हाथ उठाना भी मुश्किल था, लेकिन मैच का सिर्फ 1 मिनट बाकी था और निशा को मुकाबला जैसे तैसे बस निकालना था, क्योंकि लीड पहले ही बन चुकी थी। ऐसे में निशा रोने लगीं और आंसु लिए वो शेरनी की तरह फिर खड़ी हुईं और लड़ने के लिए तैयार दिखीं। मगर उनका कंधा काफी चोटिल था, ऐसे में कोरियाई पहलवान ने मौके का फायदा उठाते हुए जोरदार दांव लगाया और 10-8 की लीड बना ली। इस तरह निशा यह मैच हार गईं। हार के बाद निशा रोने लगीं, जिसके वीडियो भी वायरल हुए हैं। लोग उनके हौंसले की तारीफ कर रहे हैं। निशा के कोच वीरेंद्र दहिया का कहना है उत्तर कोरिया की खिलाड़ी पाक सोल गम ने जानबूझकर निशा को चोट पहुंचाई। उन्होंने कहा कि यह शत प्रतिशत जानबूझकर किया गया था, उसने जानबूझकर निशा को चोट पहुंचाई।

चोट से पहले 8-2 की लीड पर थीं निशा

प्रतियोगिता से हुईं बाहर

निशा दहिया कुश्ती प्रतियोगिता से बाहर हो गई हैं क्योंकि क्वार्टर फाइनल में जिस उत्तर कोरियाई पहलवान से वे हारी थी, वह सेमीफाइनल में हार गई है। इसलिए निशा के लिए कोई रेपचेज राउंड नहीं है। दरअसल, अगर उत्तर कोरिया की पहलवान पाक सोल गम फाइनल में पहुंचती, तो निशा दहिया को रेपचेज नियम के तहत ब्रॉन्ज मेडल के लिए खेलने का मौका मिलता, लेकिन अब दुर्भाग्यवश ऐसा नहीं होगा।

सरकार ने दिखायी अपनी ओछी मानसिकता : संजय

सर्वदलीय बैठक में नहीं बुलाने पर केंद्र सरकार पर भड़के आप सांसद

» बोले- राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला इस पर निर्भर नहीं करता पीएम किस से खुश हैं या नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बांग्लादेश के हालात को लेकर केंद्र सरकार की ओर से मंगलवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। यह बैठक संसद भवन परिसर में हुई। इस सर्वदलीय बैठक में सरकार की तरफ से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और जेपी नड्डा मौजूद रहे।

वहीं अन्य राजनीतिक दलों की बात करें तो लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, डीएमके से टी आर बालू, सपा से रामगोपाल यादव, टीएमसी से सुदीप बंदोपाध्याय, बीजेडी से सस्मित पात्रा सहित लोकसभा और राज्यसभा में कई राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स बैठक में शामिल हुए। लेकिन इस सर्वदलीय बैठक में आम आदमी पार्टी की ओर से कोई नेता शामिल नहीं हुआ। अब आप का कहना है कि आम आदमी पार्टी को बैठक में बुलाया ही नहीं गया। इस पर आप सांसद संजय सिंह की प्रतिक्रिया भी सामने आई है।

संजय सिंह ने कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला इसपर निर्भर नही करता के प्रधानमंत्री किस से खुश हैं या नाराज हैं। इस महत्वपूर्ण सर्वदलीय बैठक में 13 सांसदों वाली राष्ट्रीय पार्टी आम आदमी पार्टी को न बुलाना सरकार की ओछी मानसिकता और अगंभीरता को दर्शाता है।

एक राष्ट्रीय पार्टी है आप

संजय सिंह ने आगे कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर सरकार को सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। लेकिन, बांग्लादेश के विषय पर हुई सर्वदलीय बैठक में एक राष्ट्रीय पार्टी को न बुलाना सरकार की अगंभीरता को दर्शाता है। आप सांसद ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी एक राष्ट्रीय पार्टी है और हमारे 13 सांसद हैं। लेकिन प्रधानमंत्री हमारी पार्टी को पसंद नहीं करते हैं और इसलिए हमें इस सर्वदलीय बैठक में नहीं बुलाया गया।

रामगोपाल यादव ने संसद में उठाया इंस्टाग्राम रील्स में अश्लीलता का मुद्दा

» कहा- इंस्टाग्राम रील्स व समाज में न्यूडिटी बढ़ाने वाले प्लेटफॉर्म्स पर सरकार उठाए सख्त कदम

» बोले- समाज में न्यूडिटी और एल्कोहलिज्म बढ़ने से सभ्यताएं हो जाती हैं नष्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ऑनलाइन क्लासेज का भी किया जिक्र

प्रोफेसर यादव ने कहा कि साथ बैठने, साथ खाना खाने से परिवार में जो प्रेम होता है, आज वह नहीं है। लोग साथ बैठे रहते हैं लेकिन फोन में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि आए दिन ऐसी खबरें देखने को मिल रही हैं कि इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई, शादी हुई इसके बाद लड़के ने लड़की का मर्डर कर दिया। इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। प्रोफेसर यादव ने ऑनलाइन क्लासेज का भी जिक्र किया और सरकार से इंस्टाग्राम रील्स, समाज में न्यूडिटी और एल्कोहलिज्म बढ़ाने वाले प्लेटफॉर्म्स को लेकर कदम उठाने की मांग की।

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद प्रोफेसर राम गोपाल यादव ने आज मंगलवार को राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इंस्टाग्राम रील्स का मुद्दा उठाया। रील्स बनाने वालों पर भड़कते हुए प्रोफेसर राम गोपाल यादव ने कहा कि लोग ऐसे वस्त्र पहनते हैं कि नजरें झुक जाती हैं। उन्होने कहा कि किसी भी समाज में न्यूडिटी और एल्कोहलिज्म बढ़ जाता है तो कई सभ्यताएं नष्ट हो जाती हैं। प्रोफेसर यादव ने सरकार से इसे रोकने के लिए कदम उठाने की मांग की और जनसंघ के जमाने से ही भारतीय सभ्यता और संस्कृति की सुरक्षा का नारा भी याद दिलाया।

सपा सांसद ने कहा कि हमारे जमाने में अंग्रेजी छठवें क्लास से पढ़ाई जाती थी। जब बच्चा थोड़ा सीख लेता था तब उसे बताया जाता था, 'कैरेक्टर इज लॉस, इवरीथिंग लॉस। रामगोपाल यादव ने कहा कि आज स्थिति ये है कि कुछ प्लेटफॉर्म अश्लीलता को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विशेषकर इंस्टाग्राम रील्स का नाम लेना चाहूंगा। सपा सांसद ने कहा कि अनुमानों के मुताबिक हमारे युवा हर रोज औसतन तीन घंटे इंस्टाग्राम पर रील्स देखने, भद्दे सीरियल्स और भद्दे प्रोग्राम देखने में बिता रहे हैं।

फोटो : 4पीएम

धरना निशातगंज स्थित बेसिक शिक्षा निदेशक शिविर कार्यालय पर बेसिक शिक्षा परिषद के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अनुदेशकों का अपनी मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बांग्लादेश की सेना से की हिंदुओं की रक्षा की अपील

» बोले- बांग्लादेश में रह रहे 10 फीसदी हमारे हिंदू बंधुओं की सुरक्षा भी जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पड़ोसी देश बांग्लादेश में मची सियासी उथल पुथल ने भारत की चिंताओं को भी बढ़ा दिया है। वहां के राजनीति संकट के बीच शेख हसीना प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर भारत आ गई है। इस बीच बांग्लादेश में रह रहे हिन्दुओं को लेकर ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने बांग्लादेश की सेना से वहां के हिन्दुओं की रक्षा करने की अपील की है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बांग्लादेश के हालात पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में राजनीतिक उथल पुथल हुई है। इस समय देश सेना के संरक्षण में हैं। निश्चित रूप से वहां की जो सेना वो प्रजा रक्षण के अपने दायित्व को निभाएगी ऐसी हम आशा करते हैं। बांग्लादेश में 10 फीसद हमारे हिन्दू बंधु रहते हैं उनकी सुरक्षा भी जरूरी है। इसलिए वहां की सेना से और इस समय वहां जिनकी सत्ता है उनसे अनुरोध करना चाहते हैं कि हमारी हिन्दू जनता को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

धैर्य बनाए रखें हिंदू

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि वहां रह रहे हिन्दू भी आपके देश का नागरिक है और हर नागरिक के लिए एक तरह की व्यवस्था, सुविधा और व्यापार स्वाभाविक है। इसी अपेक्षा के साथ हम आपसे ये कह रहे हैं। वहां के जो हिन्दू है उनसे हम कहना चाहेंगे। परिस्थितियों के अनुसार धैर्य बनाए रखते हुए अपनी सुरक्षा करें, साथ ही अपने देश की उन्नति के लिए अपना योगदान दें।

यूपी समेत दिल्ली-एनसीआर में आज भी बरसेंगे बदरा

» मौसम विभाग ने कई राज्यों में जारी की भारी बारिश की चेतावनी

» दिल्ली में तीन दिन तक येलो अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली में आज भी हो सकती है भारी बारिश

दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ दिनों में मौसम सुहाना बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में आज रिमझिम बारिश हो सकती है। आईएमडी ने आने वाले पांच दिनों के मौसम की भविष्यवाणी की है। जिसके अनुसार आज यानी 6 अगस्त को दिल्ली के इलाकों में बारिश हो सकती है। वहीं आईएमडी ने मंगलवार से गुरुवार तक येलो अलर्ट भी जारी किया है।

नई दिल्ली। देश के विभिन्न राज्यों में झमाझम बारिश का दौर जारी है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक मौसम सुहाना बना हुआ है। कई राज्यों में झमाझम बारिश अपने साथ आफत लेकर आई है। हिमाचल और उत्तराखंड में लगातार बारिश से कई जगह घर गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। वहीं दिल्ली-एनसीआर बादलों की आवाजाही जारी है। मौसम विभाग ने अभी दिल्ली और यूपी समेत कई राज्यों में और बारिश होने की संभावना जताई है। है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। इन राज्यों में भारी से भारी बारिश होने का अनुमान है।

उत्तर पश्चिमी मध्य प्रदेश से सटे उत्तर प्रदेश के कुछ इलाके में भी भारी बारिश हो सकती है। महाराष्ट्र, गोवा में भी भारी बारिश का अनुमान है। पश्चिमी मध्य प्रदेश से सटे गुजरात और राजस्थान के कुछ हिस्सों में भी बहुत भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने 13 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। 4 राज्यों में रेड और 9 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि मानसून का ट्रफ लाइन बनने के बाद 7 अगस्त से फिर पूरे यूपी में बारिश होगी। उसके बाद 9 सब 10 अगस्त तक बारिश का दौर रुक-रुक कर जारी रहेगा। उधर बारिश के कारण वाराणसी, मिर्जापुर, बदायूं समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात भी हैं।

लखनऊ : बाथरूम की दीवार गिरने से युवक की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुजीत की मौत के बाद घर के बाहर जमा भीड़।

लखनऊ। मंगलवार को महानगर थाना क्षेत्र के पुरवा कॉलोनी में 35 वर्षीय सुजीत कुमार झा की बाथरूम की दीवार गिरने से मौत हो गई है। मृतक सुजीत कुमार झा की पत्नी चंदा देवी ने बताया कि सोमवार की रात उनके पति पर अचानक शौचालय की दीवार गिर गई जिसके बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

तत्काल उन्हें महानगर स्थित सिविल अस्पताल में भरती कराया गया। बीती रात से लगातार उनका इलाज चल रहा था। आज इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पत्नी ने बताया कि दीवार गिरने से उनके शरीर पर कई जगह गंभीर चोट आई थी और खून भी काफी ज्यादा बह गया था। चंदा ने बताया कि वह यहां किराए पर रह रहे थे। मृतक पति मजदूरी करके परिवार का पेट पालते थे। चंदा देवी ने बाताया कि वह लोग मूल रूप से ग्राम पवित्र नगर, थाना फतेहपुर, जिला शिवहर, बिहार के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि फिलहाल परिवार के अन्य सदस्य सुरक्षित हैं और किसी को कोई चोट नहीं आई है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।